

Padma Shri



DR. SUNKARA VENKATA ADINARAYANA RAO

Dr. Sunkara Venkata Adinarayana Rao is an Orthopedic Surgeon who is known for his work for the poor and needy. He is Managing Trustee of Free Polio Surgical and Research Foundation, Visakhapatnam. He is Founder Director General of (Polio Rehabilitation, Research & Management) Hospitals(PREMA) involved in medical, surgical & physical rehabilitation of persons with disabilities secondary to Poliomyelitis, Spasticity, Cerebral Palsy, Mental Retardation, trauma, etc.

2. Born on 30th June, 1939 in Bhimvaram, West Godavari district of Andhra Pradesh in a Rural Agricultural Family, Dr. Rao got his school education from Bhimavaram, his Bachelor's Degree in Medicine & Surgery (MBBS) from Andhra Medical College, Andhra University, Visakhapatnam in 1966 and his Masters Degree in Surgery M.S. (Ortho), Andhra Medical College, Andhra University, Visakhapatnam in 1970. He imbibed empathy towards fellow human beings from his parents from a very young age. Here he came across the heart rending scenes of poor patients coming to the hospital and lying on the floor to seek medical treatment, that was when he used to think that if he could, he should somehow see that even the poor should get the treatment and facilities.

3. Dr. Rao started devising new methods of correcting the deformities occurring on the limbs secondary to poliomyelitis. He is mainly involved in free corrective surgery and rehabilitation of polio afflicted and cerebral palsied persons. He examined more than 20,00,000 patients suffering from Orthopedic disabilities, operated More than 3,00,000 patients performing more than 10,00,000 surgical procedures.

4. Dr. Rao has held several key positions in various medical institutes. He is editor of the book "Principles & Practice of Orthopaedics" -IV Edition - 1993 published by Andhra University Press, Visakhapatnam. He rendered his world record of operating 411 polio patients in a single day at Mandvi, Kutch, Gujarat and 398 polio operations at RCD Hospital, Visakhapatnam in a day. More than 989 Free Polio Surgical Camps held nearer to the homes of the Polio afflicted patients all over our country and Nepal.

5. Dr. Rao has bagged several awards and honours including National award for welfare of the Disabled & Children Welfare by the Government of India, Bhagwan Mahaveer International Award in 2002 for excellence in human endeavour in the field of Community and Social Service; "Ugadi Puraskar" 1999 by the Madras Telugu Academy for the best services rendered to the physically handicapped; "Seva Murthy" award by Marwari Yuva Manch, Kolkata in 2002; Life Time Achievement award by OASIS (Orthopedic Association of South Indian States) Puducherry. He was awarded with the titles like "Vikalang Bandhu", "Poliowalon ka Devata", "Apanga Rakshaka", "Rotary Man of the Year" "Visakha Ratna", etc. He has been facilitated by more than 100 service organisations for his self-less service for the welfare of the physically handicapped.

पद्म श्री



डॉ सुनकरा वेंकटा आदिनारायण राव

डॉ. सुनकरा वेंकटा आदिनारायण राव एक ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं, जो गरीबों और जरूरतमंदों के लिए अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वह मुफ्त पोलियो शल्य चिकित्सा एवं अनुसंधान फाउंडेशन, विशाखापत्तनम के मैनेजिंग ट्रस्टी हैं। वह पोलियोमाइलाइटिस, स्पास्टिसिटी, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता, आघात आदि से हुए दिव्यांग व्यक्तियों की चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, और भौतिक पुनर्वास में शामिल (पोलियो पुनर्वास, अनुसंधान और प्रबंधन) अस्पतालों (प्रेमा) के संस्थापक महानिदेशक हैं।

2. 30 जून, 1939 में भीमावराम, आंध्रप्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में ग्रामीण कृषक परिवार में जन्में, डॉ. राव ने अपनी स्कूली शिक्षा भीमावराम से प्राप्त की, वर्ष 1966 में चिकित्सा और सर्जरी में स्नातक की डिग्री (एमबीबीएस) और वर्ष 1970 में सर्जरी एम.एस. (ऑर्थो), आंध्र मेडिकल कॉलेज, आंध्र विश्वविद्यालय विशाखापत्तनम से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने अपने माता-पिता से बहुत छोटी उम्र में ही साथी मानवों के प्रति सहनभूति को आत्म-सात कर लिया था यहां उन्हें गरीब मरीजों के अस्पताल आने और इलाज के लिए फर्श पर लेटने जैसे दिल दहला देने वाले दृश्य देखने को मिले, तभी वह सोचते थे कि यदि वह किसी प्रकार से संभव हो हुआ तो वह सुनिश्चित करेंगे कि गरीबों को भी चिकित्सा तथा सुविधाएं मुहैया हों।

3. डॉ. राव ने पोलियोमाइलाइटिस से अंगों पर होने वाली विकृतियों को ठीक करने के लिए नए तरीकों को विकसित करना शुरू कर दिया। वह मुख्य रूप से मुफ्त सुधारात्मक सर्जरी और पोलियो पीड़ित और मस्तिष्क पक्षाघात (सेरेब्रल पाल्सी) वाले व्यक्तियों के पुनर्वास कार्य में लगे हुए हैं। उन्होंने ऑर्थोपेडिक दिव्यांगता वाले 20,00,000 से भी अधिक रोगियों की जांच, 3,00,000 से अधिक रोगियों का ऑपरेशन तथा 10,00,000 से भी अधिक सर्जिकल प्रक्रियाएं कीं हैं।

4. डॉ. राव ने विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया। वह आंध्र विश्वविद्यालय प्रेस, विशाखापत्तनम द्वारा प्रकाशित "प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिस ऑफ ऑर्थोपेडिक्स"—IV संस्करण — 1993 पुस्तक के संपादक हैं। उन्होंने मांडवी, कच्छ, गुजरात में एक दिन में 411 पोलियो रोगियों के ऑपरेशन करने और आरसीडी अस्पताल विशाखापत्तनम में एक दिन में 398 पोलियो ऑपरेशन करने का अपना विश्व रिकार्ड बनाया। हमारे पूरे देश और नेपाल में पोलियो पीड़ित रोगियों के घरों के पास 989 से भी ज्यादा निःशुल्क पोलियो सर्जिकल शिविर आयोजित किए गए।

5. डॉ. राव को कई पुरस्कार और सम्मान मिले हैं जिनमें विकलांगों और बच्चों के कल्याण के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार; सामुदायिक और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में मानव प्रयास में उत्कृष्टता के लिए 2002 में भगवान महावीर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हैं; शारीरिक रूप से विकलांगों को प्रदान की गई सर्वोत्तम सेवाओं के लिए मद्रास तेलुगु अकादमी द्वारा "उगाड़ी पुरस्कार" 1999; 2002 में मारवाड़ी युवा मंच कोलकाता द्वारा 'सेवा मूर्ति पुरस्कार, ओएसिस (ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन ऑफ साउथ इंडियन स्टेट्स / पुदुचेरी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड शामिल हैं। वह "विकलांग बंधु", 'पोलियोवालों का देवता', 'अपंग रक्षक' 'रोटरी मैन ऑफ द ईयर', ' विशाखा रत्न', इत्यादि जैसी उपाधियों से पुरस्कृत किए गए। उन्हें शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के कल्याण के लिए उनकी निःस्वार्थ सेवा के लिए 100 से भी अधिक सेवा संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।